

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल संसाधन एवं निर्माण निगम,
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग-

देहरादून: दिनांक: 12 दिसम्बर, 2004

विषय:- पिथौरागढ़ नगर की सीवरेज योजना(प्रथम चरण) हेतु वर्ष 2004-05 में भूमि अधिग्रहण के लिए वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक 598/अप्रेजल-पिथौरागढ़/दिनांक 21.07.2004 एवं पत्रांक 601/अप्रेजल-पिथौरागढ़/दिनांक 20.11.04 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पिथौरागढ़ नगर की सीवरेज योजना प्रथम चरण हेतु भूमि अधिग्रहण के सम्बंध में प्राक्कलन अनु०लागत रु० 187.48 लाख का परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गयी धनराशि रु० 187.15 लाख (रु० एक करोड़ सत्तासी लाख पन्द्रह हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनकीय/वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में भूमि अधिग्रहण/प्रतिकर भुगतान हेतु निम्नलिखित शर्तों के अधीन रु० 53.27 लाख की धनराशि अनुदान मद में एवं रु० 53.28 लाख ऋण मद में अर्थात् कुल रु० 106.55 लाख (रु० एक करोड़ छः लाख पचपन हजार मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) भूमि का कय जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित दर के आधार पर किया जायेगा।
- (2) प्राक्कलन में एम पी वी मूल्य एवं कम्पन्सेन्टरी प्लान्टेशन के लिए रु० 76000 प्रति हेक्टेयर की दर से सम्मिलित कुल रु० 10.671 लाख के सम्बंध में एम०पी०वी० मूल्य जमा कराने तथा कम्पन्सेन्टरी प्लान्टेशन किये जाने हेतु कुल धनराशि की पुष्टि लिखित रूप से वन विभाग से प्राप्त करने के उपरान्त ही भूमि अधिग्रहण की धनराशि का आहरण किया जायेगा।
- (3) विभाग भूमि अधिग्रहण सम्बंधी आगणन तथा भारत सरकार द्वारा स्वीकृत आगणन को समेकित करते हुए परियोजना हेतु पूर्ण आगणन वित्त विभाग में परीक्षण हेतु यथाशीघ्र उपलब्ध करा देंगे तथा परियोजना का क्रियान्वयन विभिन्न चरणों में पृथकीकृत करने के उपरान्त ही करेंगे एवं भूमि अधिग्रहण एवं परियोजना का क्रियान्वयन इस प्रकार सुनिश्चित करेंगे कि प्रति वर्ष पूर्ण किये गये कार्यों का लाभ जनता को प्राप्त होता रहें।

W



कमशा.2.

(4) प्रश्नगत योजना के निर्माण हेतु पूर्व में अवमुक्त रू० 5.00 करोड़ की धनराशि पर जो भी ब्याज निगम द्वारा अर्जित किया गया है वह एक मुश्त बिना किसी विलम्ब के शासनादेश निर्गत होने के एक सप्ताह के अन्दर सुसंगत लेखाशीर्षक में तुरन्त जमा करके शासन को सूचित किया जायेगा। उक्त कार्यवाही पूर्ण करने के बाद ही उक्त धनराशि का आहरण किया जायेगा।

(5) ऋण अंश के रूप में स्वीकृत की जा रही धनराशि की वापसी एवं ब्याज अदायगी शासनादेश संख्या 924/उन्तीस/04-2 (46पे०)/2004, दिनांक 28 अप्रैल, 2004 में वर्णित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन की जायेंगी।

2 प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में जमा करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेंगी। धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार किस्तों में किया जायेगा।

3 व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मेनुअल और फाईनेन्शियल हैण्डबुक तथा अन्य स्थाई आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय, इसके साथही समय-समय पर निर्गत मितव्ययता सम्बंधी शासनादेशों के अनुसार धनराशि व्यय की जाय और मितव्ययता बरती जाय।

4 यदि यह धनराशि आहरित करके बैंक खाते में रखी जायेंगी तो इस धनराशि पर समय-समय पर अर्जित ब्याज को वित्त विभाग के दिशानिर्देशानुसार राजकोष में जमा कर दिया जायेगा।

5 व्यय उन्हीं मदों पर किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है। किसी भी दशा में एक मद/योजना की धनराशि दूसरी मद/योजना में कदापि व्यय न की जाय।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2005 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत अनुदान की धनराशि लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत - 101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-01-नगरीय पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे तथा ऋण की धनराशि लेखाशीर्षक "6215-जलपूर्ति तथा सफाई के लिए कर्ज-02-मलजल तथा सफाई-आयोजनागत-800-अन्य कर्ज-04-पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए ऋण-00-30-निवेश/ऋण" के नामे डाला जायेगा।

7 यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-2045/वित्त अनुभाग-3/2004, दिनांक 15 दिसम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

Xc-1

(कुंवर सिंह)

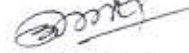
अपर सचिव

सं०-2870/उन्तीस/04-2(23पे०)/2002, तद्दिनाक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1 महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
- 2 आयुक्त कुमाँयू मण्डल, नैनीताल।
- 3 जिलाधिकारी, देहरादून/पिथौरागढ़
- 4 वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5 मुख्य अभियन्ता, उत्तरांचल पेयजल निगम (कुमाँयू) नैनीताल।
- 6 मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 7 सचिव, शहरी विकास एवं गरीबी उपशमन मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली।
- 8 निजी सचिव मा० मुख्य मंत्री जी।
- 9 वित्त अनुभाग-3/ नियोजन अनुभाग/वित्त बजट सेल।
- 10 निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 11 निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 12 गार्ड फाईल।

आज्ञा से



(अर्जुन सिंह)

संयुक्त सचिव